



Abhishek singh



Sanskriti singh

Model: Horoscope-Matching

Order No: 121805901

Model: Horoscope-Matching

Order No: 121805901

Date: 03/04/2026

पुल्लिंग : \_\_\_\_\_ लिंग \_\_\_\_\_ : स्त्रीलिंग  
12/06/1998 : \_\_\_\_\_ जन्म तिथि \_\_\_\_\_ : 20-21/09/1997  
शुक्रवार : \_\_\_\_\_ दिन \_\_\_\_\_ : शनि-रविवार  
घंटे 17:20:00 : \_\_\_\_\_ जन्म समय \_\_\_\_\_ : 05:32:00 घंटे  
घटी 30:50:31 : \_\_\_\_\_ जन्म समय(घटी) \_\_\_\_\_ : 59:56:38 घटी  
India : \_\_\_\_\_ देश \_\_\_\_\_ : India  
Jamshedpur : \_\_\_\_\_ स्थान \_\_\_\_\_ : Gorakhpur  
22:47:00 उत्तर : \_\_\_\_\_ अक्षांश \_\_\_\_\_ : 26:45:00 उत्तर  
86:12:00 पूर्व : \_\_\_\_\_ रेखांश \_\_\_\_\_ : 83:23:00 पूर्व  
82:30:00 पूर्व : \_\_\_\_\_ मध्य रेखांश \_\_\_\_\_ : 82:30:00 पूर्व  
घंटे 00:14:48 : \_\_\_\_\_ स्थानिक संस्कार \_\_\_\_\_ : 00:03:32 घंटे  
घंटे 00:00:00 : \_\_\_\_\_ ग्रीष्म संस्कार \_\_\_\_\_ : 00:00:00 घंटे  
04:59:47 : \_\_\_\_\_ सूर्योदय \_\_\_\_\_ : 05:44:05  
18:29:53 : \_\_\_\_\_ सूर्यास्त \_\_\_\_\_ : 17:55:20  
23:50:00 : \_\_\_\_\_ चित्रपक्षीय अयनांश \_\_\_\_\_ : 23:49:27  
वृश्चिक : \_\_\_\_\_ लग्न \_\_\_\_\_ : कन्या  
मंगल : \_\_\_\_\_ लग्न लग्नाधिपति \_\_\_\_\_ : बुध  
धनु : \_\_\_\_\_ राशि \_\_\_\_\_ : वृष  
गुरु : \_\_\_\_\_ राशि-स्वामी \_\_\_\_\_ : शुक्र  
पूर्वाषाढा : \_\_\_\_\_ नक्षत्र \_\_\_\_\_ : कृतिका  
शुक्र : \_\_\_\_\_ नक्षत्र स्वामी \_\_\_\_\_ : सूर्य  
4 : \_\_\_\_\_ चरण \_\_\_\_\_ : 2  
ब्रह्म : \_\_\_\_\_ योग \_\_\_\_\_ : हर्षण  
वणिज : \_\_\_\_\_ करण \_\_\_\_\_ : तैतिल  
ढा-ढालचंद : \_\_\_\_\_ जन्म नामाक्षर \_\_\_\_\_ : इ-ईशा  
मिथुन : \_\_\_\_\_ सूर्य राशि(पाश्चात्य) \_\_\_\_\_ : कन्या  
क्षत्रिय : \_\_\_\_\_ वर्ण \_\_\_\_\_ : वैश्य  
मानव : \_\_\_\_\_ वश्य \_\_\_\_\_ : चतुष्पाद  
वानर : \_\_\_\_\_ योनि \_\_\_\_\_ : मेष  
मनुष्य : \_\_\_\_\_ गण \_\_\_\_\_ : राक्षस  
मध्य : \_\_\_\_\_ नाडी \_\_\_\_\_ : अन्त्य  
श्वान : \_\_\_\_\_ वर्ग \_\_\_\_\_ : गरुड़

**Jyotivid Prabhat Tripathi (निधिवन ज्योतिष केंद्र)**

Netaji Subhash Chandra Bose Nagar Gorakhnath Gorakhpur

9918060251

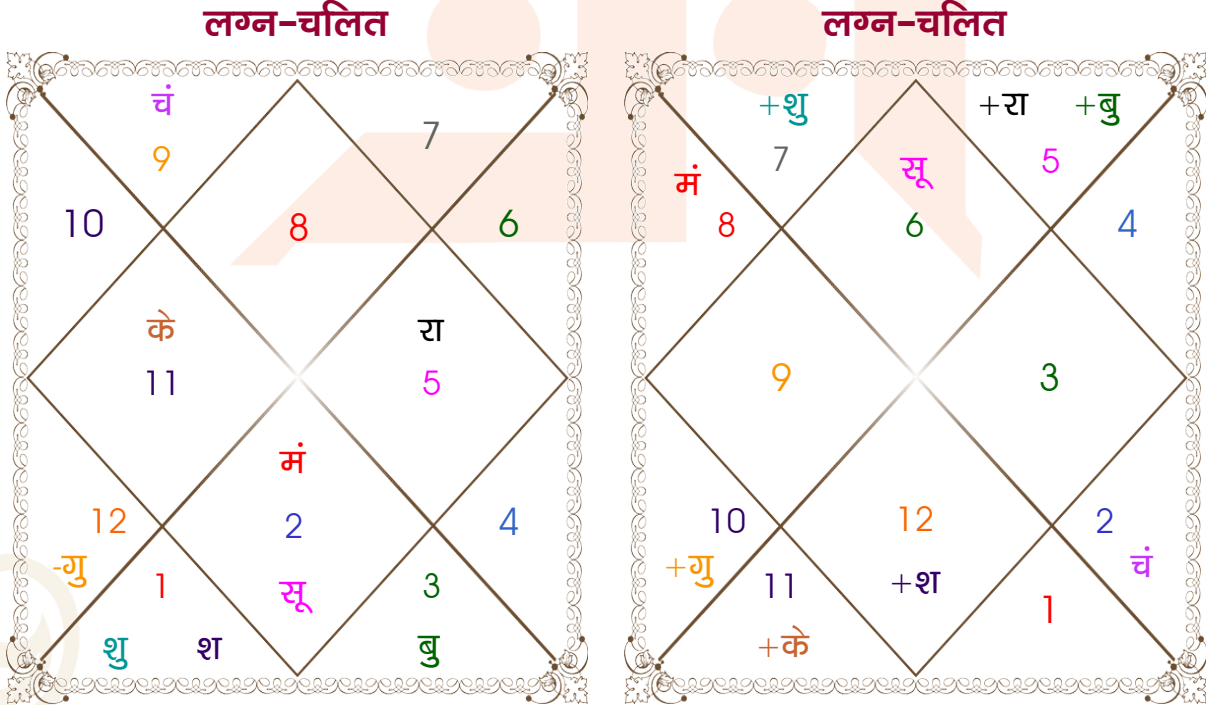
sunastrology01@gmail.com

## ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
शुक्र 2वर्ष 4मा 25दि	12:50:01	वृश्चि	लग्न	कन्या	00:37:31	सूर्य 3वर्ष 5मा 10दि
राहु	27:29:07	वृष	सूर्य	कन्या	04:13:26	राहु
06/11/2023	25:03:55	धनु	चंद्र	वृष	02:20:39	02/03/2018
06/11/2041	19:46:44	वृष	मंगल	वृश्चि	00:41:30	02/03/2036
राहु 19/07/2026	00:13:21	मिथु	बुध	सिंह	17:18:32	राहु 12/11/2020
गुरु 12/12/2028	02:15:06	मीन	गुरु व	मक	18:45:18	गुरु 08/04/2023
शनि 19/10/2031	21:58:02	मेष	शुक्र	तुला	16:28:46	शनि 12/02/2026
बुध 07/05/2034	06:28:49	मेष	शनि व	मीन	24:32:56	बुध 31/08/2028
केतु 26/05/2035	10:15:48	सिंह व	राहु व	सिंह	25:52:58	केतु 19/09/2029
शुक्र 26/05/2038	10:15:48	कुंभ व	केतु व	कुंभ	25:52:58	शुक्र 19/09/2032
सूर्य 19/04/2039	18:38:37	मक व	हर्ष व	मक	11:08:14	सूर्य 13/08/2033
चन्द्र 18/10/2040	07:56:31	मक व	नेप व	मक	03:26:43	चन्द्र 12/02/2035
मंगल 06/11/2041	12:27:00	वृश्चि व	प्लूटो	वृश्चि	09:24:52	मंगल 02/03/2036

व - वकी स - स्थिर  
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त  
राहु : स्पष्ट

23:50:00 चित्रपक्षीय अयनांश 23:49:27



**Jyotirvid Prabhat Tripathi (निधिवन ज्योतिष केंद्र)**

Netaji Subhash Chandra Bose Nagar Gorakhnath Gorakhpur

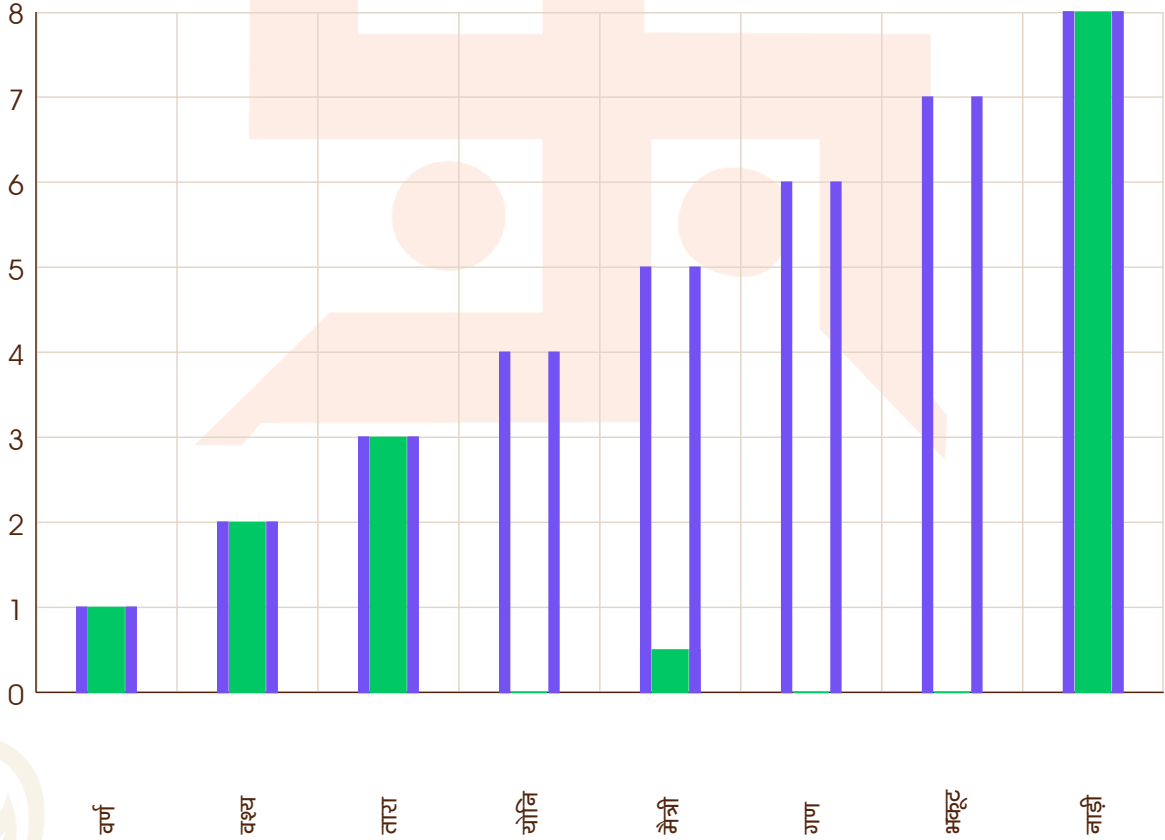
9918060251

sunastrology01@gmail.com

## अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	चतुष्पाद	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	अतिमित्र	सम्पत	3	3.00	--	भाग्य
योनि	वानर	मेष	4	0.00	--	यौन विचार
मैत्री	गुरु	शुक्र	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	राक्षस	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	धनु	वृष	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाडी	मध्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
<b>कुल :</b>			<b>36</b>	<b>14.50</b>		

कुल : 14.5 / 36



**Jyotirvid Prabhat Tripathi (निधिवन ज्योतिष केंद्र)**

Netaji Subhash Chandra Bose Nagar Gorakhnath Gorakhpur

9918060251

sunastrology01@gmail.com

## अष्टकूट मिलान

गणदोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता नहीं है।

भकूट दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता नहीं है।

Abhishek singh का वर्ग श्वान है तथा Sanskriti singh का वर्ग गरुड़ है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Abhishek singh और Sanskriti singh का मिलान ठीक नहीं है।

### मंगलीक दोष मिलान

Abhishek singh मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

**अजे लग्ने व्यये चापे पाताले वृश्चिके स्थिते ।  
वृषे जाये घटे रन्ध्रे भौम दोषो न विद्यते ।।**

अर्थात् मेष राशि लग्न में, द्वादश में धनुराशि, चतुर्थ में वृश्चिक राशि, सप्तम में वृष राशि तथा अष्टम में कुम्भ राशि में मंगल स्थित हो तो मंगल दोष नहीं होता है। क्योंकि मंगल Abhishek singh कि कुण्डली में सप्तम् भाव में वृष राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Sanskriti singh मंगलीक नहीं है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है।

**यामित्रे च यदा सौरि लग्ने वा हिबुकेऽथवा ।  
अष्टमे द्वादशे वापि भौमदोषविनाशकृत् ।।**

शनि यदि एक की कुंडली में 1,4,7,8,12 वें भावों में हो और दूसरे के मंगल इन्हीं भावों में हों तो मंगल दोष नहीं लगता।

क्योंकि शनि Sanskriti singh कि कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

**त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः ।  
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत् ।।**

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल Sanskriti singh कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः

**Jyotirvid Prabhat Tripathi (निधिवन ज्योतिष केंद्र)**

Netaji Subhash Chandra Bose Nagar Gorakhnath Gorakhpur

9918060251

sunastrology01@gmail.com

मंगलीक दोष कट जाता है।

Abhishek singh तथा Sanskriti singh में मंगलीक मिलान ठीक है।

### निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।



**Jyotirvid Prabhat Tripathi (निधिवन ज्योतिष केंद्र)**

Netaji Subhash Chandra Bose Nagar Gorakhnath Gorakhpur

9918060251

sunastrology01@gmail.com

## अष्टकूट फलादेश

### वर्ण

Abhishek singh का वर्ण क्षत्रिय तथा Sanskriti singh का वर्ण वैश्य है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके प्रभाववश Sanskriti singh आज्ञाकारी, सेवा करने वाली तथा विश्वासपात्र होगी। साथ ही Sanskriti singh की हमेशा कम खर्च करके परिवार के लिए पैसे बचाने की आदत रहेगी ताकि जिससे ये पैसे भविष्य में काम आ सकें।

### वश्य

Abhishek singh का वश्य चतुष्पद है एवं Sanskriti singh का वश्य भी चतुष्पद है अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके फलस्वरूप Abhishek singh एवं Sanskriti singh दोनों के स्वभाव, पसंद एक समान होंगे तथा आपसी तालमेल काफी अच्छा रहेगा, जिससे परिवार में सुख, शांति एवं समृद्धि का मार्ग प्रशस्त होता रहेगा। दोनों के बीच अत्यधिक प्रेम की भावना भी बनी रहेगी।

### तारा

Abhishek singh की तारा अतिमित्र तथा Sanskriti singh की तारा सम्पत् है। अतः दोनों की तारा अनुकूल होने के कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। यह विवाह वैवाहिक जीवन एवं परिवार के लिए चहुंमुखी समृद्धि का मार्ग प्रशस्त करता रहेगा। साथ ही दोनों एक-दूसरे के लिए काफी भाग्यशाली साबित होंगे। Abhishek singh हमेशा Sanskriti singh के साथ मित्रवत व्यवहार करता रहेगा तथा उसे असीम प्रेम एवं प्यार देता रहेगा। इनके बच्चे भी काफी बुद्धिमान, भाग्यशाली, आज्ञाकारी एवं सफल होंगे।

### योनि

Abhishek singh की योनि वानर है तथा Sanskriti singh की योनि मेष है। अर्थात् दोनों की योनि समान नहीं है। इन दोनों योनि के बीच परस्पर शत्रुता का संबंध है। अतः यह मिलान बहुत बुरा मिलान ही रहेगा। जिसके कारण दोनों के बीच अक्सर घरेलू हिंसा होती रहेगी। समय-समय पर एक दूसरे पर आघात भी कर सकते हैं। दोनों के बीच प्रेम एवं सौहार्द का अभाव बना रहेगा। दोनों के बीच परस्पर संदेह की भावना बनी रहगी। वैवाहिक जीवन में स्थिति मुकदमेबाजी तक भी जा सकती है। दोनों के बीच अलगाव की चाह भी हो सकती है। एक घर में रहकर स्थिति तलाक जैसी बनी रह सकती है। परस्पर अविश्वास की भावना के कारण वैवाहिक जीवन संघर्षपूर्ण व कलेशपूर्वक बीतने की संभावना है। अतः अपने वैवाहिक जीवन को बचाये रखने के लिए दोनों को परस्पर विश्वास व सहयोग की आवश्यकता है अन्यथा घरेलू हिंसा होने के कारण चोट भी लग सकती है। वैचारिक मतभेदों को बुद्धि बल तथा समझदारी से निपटाना चाहिये अन्यथा लड़ाई झगड़े से किसी भी समस्या का हल निकाल पाना असंभव है।

## मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में Abhishek singh का राशि स्वामी Sanskriti singh के राशि स्वामी से शत्रु का संबंध रखता है। जबकि Sanskriti singh का राशि स्वामी Abhishek singh के राशि स्वामी के साथ सम रहता है। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से खराब मिलान है। ज्योतिष की दृष्टि से यदि एक साथी का राशि स्वामी दूसरे के लिए शत्रु किंतु दूसरा उसे सम मानता हो तो ऐसा कुंडली मिलान अच्छा नहीं माना जाता है। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई-झगड़ा, तनाव, मतभेद, एवं बहसबाजी का भाव बना रह सकता है। ऐसा भी हो सकता है कि यह बहस कभी-कभी हिंसक रूप धारण कर ले। जिससे शारीरिक चोट एवं मुकदमेबाजी के कारण आर्थिक हानि हो सकती है।

## गण

Abhishek singh का गण मनुष्य तथा Sanskriti singh का गण राक्षस है। अतः यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। अतः Sanskriti singh का निर्दयी, निष्ठुर एवं कड़ा स्वभाव रहेगा जिसके कारण Abhishek singh एवं उसके परिवार के सदस्यों का जीवन कष्टपूर्ण हो सकता है। साथ ही पति-पत्नी के बीच अक्सर लड़ाई-झगड़ा बना रह सकता है। जिसके कारण तलाक एवं मुकदमे की संभावना भी बन सकती है।

## भकूट

Abhishek singh से Sanskriti singh की राशि षष्ठम भाव में स्थित है तथा Sanskriti singh से Abhishek singh की राशि अष्टम भाव में स्थित है। जिसके कारण यह मिलान बिल्कुल अच्छा मिलान नहीं है। क्योंकि इसमें षडाष्टक दोष लग रहा है। जिसके कारण Abhishek singh लाइलाज बीमारी से ग्रस्त हो सकते हैं तथा अक्सर उनके जलने अथवा दुर्घटनाग्रस्त होने की संभावना बनी रहेगी। Sanskriti singh को स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं हो सकती हैं तथा परिवार के सदस्यों से वैमनस्य होने की संभावना भी रहेगी। पति-पत्नी के बीच वैचारिक मतभेद रह सकते हैं तथा अक्सर लड़ाई-झगड़े होते रहेंगे। दोनों के बीच तनावपूर्ण स्थिति पूरे परिवार के लिए समस्या एवं पीड़ा बन जायेगी। मुकदमेबाजी होने से अलगाव एवं तलाक की संभावना भी रहेगी।

## नाड़ी

Abhishek singh की नाड़ी मध्य है तथा Sanskriti singh की नाड़ी अन्त्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान नहीं है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोष मुक्त है। अर्थात यह मिलान अति उत्तम मिलान है। यह जीवन के लिए आवश्यक दो महत्वपूर्ण अवयवों का समन्वय है। अच्छे स्वास्थ्य, स्वस्थ काया एवं अच्छे यौन जीवन के लिए वात, पित्त एवं कफ का शरीर में संतुलन आवश्यक है। जिसके कारण Abhishek singh एवं Sanskriti singh के बीच साहचर्य, सुख एवं समृद्धि की वृद्धि तथा उन्हें अच्छे, स्वस्थ एवं आज्ञाकारी संतान प्रदान होगी।

## मेलापक फलित

### स्वभाव

Abhishek singh की जन्मराशि अग्नितत्व युक्त धनु तथा Sanskriti singh की राशि पृथ्वीतत्व युक्त वृष है। अग्नि तथा पृथ्वी में नैसर्गिक विषमता होने के कारण इनकी स्वभावगत विशेषताओं में असमानता रहेगी जिससे संबंधों में मधुरता का अभाव होगा तथा वैवाहिक जीवन के सुख में न्यूनता रहेगी। अतः यह मिलान अच्छा नहीं रहेगा।

Abhishek singh की जन्मराशि का स्वामी गुरु तथा Sanskriti singh की जन्मराशि का स्वामी शुक परस्पर सम एवं शत्रुराशियों में स्थित हैं। सुखी दाम्पत्य जीवन के लिए यह स्थिति विशेष अच्छी नहीं रहेगी। इसके प्रभाव से Abhishek singh और Sanskriti singh के मध्य प्रेम सहानुभूति एवं सहयोग का अभाव रहेगा तथा सुख दुख में भी एक दूसरे को विशेष सहयोग प्रदान नहीं करेंगे। वे एक दूसरे के गुणों की उपेक्षा करके कमियों पर विशेष ध्यान देंगे। Abhishek singh और Sanskriti singh का परस्पर आलोचनात्मक तथा विरोध का दृष्टिकोण भी रहेगा जिससे दाम्पत्य जीवन के सुख में न्यूनता आएगी।

Abhishek singh और Sanskriti singh की राशियां परस्पर षष्ठ तथा अष्टम भाव में पड़ती हैं। शास्त्रानुसार यह प्रबल भकूट दोष माना जाता है। अतः इसके प्रभाव से दोनों के मन में अहंकार का भाव होगा तथा इससे एक दूसरे के प्रति मन में उपेक्षा का भाव भी रहेगा जिससे दाम्पत्य संबंधों में तनाव तथा कटुता रहेगी। ऐसी स्थिति में यदि Abhishek singh और Sanskriti singh सामंजस्य एवं बुद्धिमता पूर्वक कार्य कलाप सम्पन्न करने चाहिए।

Abhishek singh और Sanskriti singh दोनों का वश्य चतुष्पद है। अतः इनकी अभिरुचियों में समानता होगी तथा शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक संबंधों में भी समता रहेगी फलतः आपका दाम्पत्य जीवन सुखी रहेगा एवं काम संबंधों में एक दूसरे को प्रसन्न एवं सन्तुष्ट रखने में समर्थ होंगे जिससे आंतरिक प्रसन्नता भी बनी रहेगी।

Abhishek singh का वर्ण क्षत्रिय तथा Sanskriti singh का वर्ण वैश्य है। अतः Abhishek singh की प्रवृत्ति साहसिक तथा परिश्रमी कार्यों को करने में रहेगी जबकि Sanskriti singh धनार्जन संबंधी कार्यों में तत्पर रहेंगी तथा वणिक बुद्धि से कार्य सम्पन्न करेंगी।

### धन

Abhishek singh का जन्म अतिमित्र तथा Sanskriti singh का सम्पत नामक तारा में हुआ है। इसके प्रभाव से Sanskriti singh एक धनवान तथा भाग्यशाली महिला होंगी तथा Sanskriti singh के शुभ प्रभाव से उनकी आर्थिक स्थिति में नित्य वृद्धि होती रहेगी। भकूट का प्रभाव इनकी आर्थिक स्थिति पर सम रहेगा। अतः स्वपरिश्रम से ही इच्छित धन एवं लाभ अर्जित करने में समर्थ रहेंगे। साथ ही मंगल का भी कोई विशेष दुष्प्रभाव नहीं होगा। इस प्रकार Abhishek singh और Sanskriti singh आरामदायक जीवन व्यतीत करने में समर्थ होंगे।

Abhishek singh और Sanskriti singh को लाटरी, सट्टे या अन्य स्रोतों से अनायास धन प्राप्ति की संभावना होगी। साथ ही विभिन्न प्रकार के भौतिक संसाधनों का वे उपभोग करने में सफलता प्राप्त करेंगे। इसके अतिरिक्त वे जायदाद तथा आभूषण आदि को भी अर्जित करने में समर्थ होंगे।

### स्वास्थ्य

Abhishek singh मध्य नाड़ी तथा Sanskriti singh अन्त्य नाड़ी में उत्पन्न हुई है। अतः दोनों की नाड़ी अलग अलग होने के कारण इन पर नाड़ी दोष का प्रभाव नहीं होगा फलतः शारीरिक रूप से दोनों सामान्यतया स्वस्थ ही रहेंगे परन्तु Sanskriti singh के स्वास्थ्य पर मंगल का अशुभ प्रभाव होगा जिससे वे रक्त या पित्त संबंधी परेशानी प्राप्त करेंगी तथा यदा कदा हृदय संबंधी कष्ट भी हो सकता है। साथ ही गुप्त रोग या मासिक धर्म संबंधी असुविधा भी समय समय पर होती रहेगी। Sanskriti singh सुख के क्षणों में भी यदा कदा उदासीनता के भाव का प्रदर्शन करेंगी जिससे परस्पर संबंधों में तनाव का भाव विद्यमान होगा। अतः मंगल के अशुभ प्रभाव को कम करने के लिए Sanskriti singh को नियमित रूप से हनुमानजी की पूजा करनी चाहिए तथा मंगलवार के उपवास भी सम्पन्न करने चाहिए।

### संतान

संतति प्राप्ति की दृष्टि से Abhishek singh और Sanskriti singh का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उन्हें उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा इसमें अनावश्यक विलम्ब भी नहीं होगा। साथ ही बच्चों के जन्म में भी सामान्य अंतर रहेगा जिससे उनका पालन पोषण उचित ढंग से करने में आसानी रहेगी। इसके अतिरिक्त Abhishek singh और Sanskriti singh के पुत्र एवं कन्या संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव के विषय में Sanskriti singh के मन में पहले से ही अनावश्यक भय की अनुभूति रहेगी लेकिन Sanskriti singh को इस विषय में किसी भी प्रकार की चिन्ता नहीं करनी चाहिए तथा सामान्य रूप से गर्भावस्था का समय व्यतीत करना चाहिए। प्रसव काल में Sanskriti singh को प्रसूति या अन्य किसी भी प्रकार की चिकित्सा की आवश्यकता नहीं पड़ेगी तथा सुदंर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी। साथ ही स्वयं भी स्वस्थ एवं प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी।

संतति पक्ष से Abhishek singh और Sanskriti singh सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे तथा बच्चे अपने क्षेत्र में अपनी बुद्धिमत्ता तथा योग्यता से उन्नतिमार्ग पर अग्रसर होंगे। साथ ही व्यवहार कुशलता का गुण भी उनमें विद्यमान रहेगा। माता पिता के प्रति उनका पूर्ण आदर तथा आज्ञापालन का भाव रहेगा तथा उनकी इच्छा के विरुद्ध वे कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं करेंगे। इस प्रकार Abhishek singh और Sanskriti singh का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

## ससुराल-सुश्री

Sanskriti singh के अपने सास से सामान्य संबंध रहेंगे तथा परस्पर सामंजस्य से मधुरता बनी रहेगी यद्यपि इनके मध्य यदा कदा विवाद या मतभेद उत्पन्न होंगे परन्तु उनका बुद्धिमता से समाधान करने में दोनों को सफलता प्राप्त होगी। साथ ही Sanskriti singh यत्नपूर्वक सास की सुख सुविधाओं का ध्यान रखकर उनकी सेवा में तत्पर रहेंगी।

लेकिन ससुर से पूर्ण स्नेह एवं सहानुभूति अर्जित करने में Sanskriti singh को कठिनाई का सामना करना पड़ेगा तथा उनकी तरफ से समय समय पर समस्याएं उत्पन्न होगी। परन्तु नन्द एवं देवरों से संबंधों में मधुरता रहेगी तथा उनका व्यवहार मित्रवत रहेगा फलतः उनसे पूर्ण स्नेह एवं सहानुभूति प्राप्त होगी।

इस प्रकार Sanskriti singh को ससुराल में सामान्य रूप से अनुकूल वातावरण मिलेगा तथा किंचित असुविधाओं का सामना करके वह सामंजस्य स्थापित करने में सफल हो सकेंगी।

## ससुराल-श्री

Abhishek singh के अपनी सास से मधुर संबंध रहेंगे तथा आपसी सामंजस्य से इसमें निरन्तर वृद्धि होती रहेगी। सास को Abhishek singh अपनी माता के समान आदर प्रदान करेंगे तथा उनकी सेवा तथा सुख सुविधा का भी ध्यान रखेंगे। साथ ही समय समय पर सपत्नीक उनके यहां मिलने जाया करेंगे जिससे संबंधों की प्रगाढ़ता में वृद्धि होगी।

ससुर के साथ भी Abhishek singh के संबंधों में मधुरता रहेगी। साथ ही उन का भी इनके प्रति विशेष वात्सल्य रहेगा। व्यक्तिगत मामलों तथा आपसी संबंधों में मित्रता का भाव भी दृष्टिगोचर होगा जिससे एक दूसरे की बातों का आदान प्रदान होता रहेगा। साथ ही साली एवं सालों से भी संबंधों में मित्रता सहानुभूति तथा सहयोग का भाव रहेगा तथा एक दूसरे से औपचारिक संबंध रहेंगे।

इस प्रकार ससुराल के लोगों का दृष्टिकोण Abhishek singh के प्रति सम्मानीय रहेगा तथा वे उनके व्यवहार से प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे।